महाराणा प्रताप महाविद्यालय
18/1/23
ग्रन्थालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

SAN 201

B.A. III[rd] SEMESTER EXAMINATION, 2022-23

SANSKRIT

(Sanskrit Natak)

(3+0)

(CBCS MODE)

AFFIX PRESCRIBED RUBBER STAMP

Date (तिथि) : _____

Paper ID
(To be filled in the OMR Sheet)

8245

अनुक्रमांक (अंकों में) :
Roll No. (In Figures)

अनुक्रमांक (शब्दों में) : _____

Roll No. (In Words) : _____

Time : 1 Hour **Max. Marks : 60**
समय : 1 घण्टे **अधिकतम अंक : 60**

नोट : पुस्तिका में 40 प्रश्न दिये गये हैं, सभी प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 1.5 अंक का होगा।

Important Instructions :

1. The candidate will write his/her Roll Number only at the places provided for, i.e. on the cover page and on the OMR answer sheet at the end and nowhere else.
2. Immediately on receipt of the question booklet, the candidate should check up the booklet and ensure that it contains all the pages and that no question is missing. If the candidate finds any discrepancy in the question booklet, he/she should report the invigilator within 10 minutes of the issue of this booklet and a fresh question booklet without any discrepancy be obtained.

महत्वपूर्ण निर्देश :

1. अभ्यर्थी अपने अनुक्रमांक केवल उन्हीं स्थानों पर लिखेंगे जो इसके लिए दिये गये हैं, अर्थात् प्रश्न पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ तथा साथ दिये गये ओ०एम०आर० उत्तर पत्र पर, तथा अन्यत्र कहीं नहीं लिखेंगे।
2. प्रश्न पुस्तिका मिलते ही अभ्यर्थी को जाँच करके सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि इस पुस्तिका में पूरे पृष्ठ हैं और कोई प्रश्न छूटा तो नहीं है। यदि कोई विसंगति है तो प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के भीतर ही कक्ष परिप्रेक्षक को सूचित करना चाहिए और बिना त्रुटि की दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लेना चाहिए।

Scanned with OKEN Scanner

1. नाटक का प्रारम्भ होता है–

(A) भरत वाक्य से

(B) नान्दी से

(C) विषकम्भक से

(D) उपर्युक्त में से किसी से नहीं

2. शकुन्तला की अंगूठी गिरी थी–

(A) गङ्गा में

(B) यमुना में

(C) शचीतीर्थ में

(D) गोदावरी में

3. अभिज्ञान–शाकुन्तलम् के आदि और अन्त में स्तुति है–

(A) ब्रह्मा की

(B) विष्णु की

(C) शिव की

(D) गणेश की

4. नाटक का अन्त होता है–

(A) भरत वाक्य से

(B) नान्दी से

(C) विष्कम्भक से

(D) गीत से

5. मङ्गलाचरण होते हैं–

(A) 3 प्रकार के

(B) 4 प्रकार के

(C) 5 प्रकार के

(D) 6 प्रकार के

Scanned with OKEN Scanner

6. 'कोऽन्यो हुतवहाद् दग्धुं प्रभ वति' से युक्त नाटक–

(A) स्वप्नवासवदत्तम्

(B) अभिज्ञान शाकुन्तलम्

(C) उत्तर रामचरितम्

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

7. संस्कृत के प्रथम नाटककार माने जाते हैं–

(A) भवभूति

(B) भास

(C) कालिदास

(D) भारवि

8. भास के नाटकों की संख्या है–

(A) 10

(B) 11

(C) 12

(D) 13

9. संस्कृत के प्रथम बौद्ध नाटककार हैं–

(A) अश्वघोष

(B) हर्ष

(C) भवभूति

(D) शूद्रक

10. प्रतिमानाटकम् से सम्बद्ध नाटककार हैं–

(A) भवभूति

(B) भारवि

(C) भास

(D) अश्वघोष

Scanned with OKEN Scanner

11. अभिज्ञानशाकुन्तलम् में अङ्क हैं–

(A) 05

(B) 06

(C) 07

(D) 08

12. अभिज्ञानशाकुन्तलम् में विदूषक है–

(A) माधव

(B) माढव्य

(C) महेन्द्र

(D) मधुकर

13. कालिदास की रचनाओं की संख्या है–

(A) 5

(B) 6

(C) 7

(D) 8

14. स्वप्नवासवदत्तम् नाटक है–

(A) भास का

(B) भवभूति

(C) माघ

(D) भारवि

15. उत्तररामचरितम् रचना है–

(A) कालिदास

(B) भवभूति

(C) भारवि

(D) भास

Scanned with OKEN Scanner

16. अश्वघोष की कृति है–

(A) मेघदूतम्

(B) बुद्धचरितम्

(C) दशकुमारचरितम्

(D) महावीरचरितम्

17. महावीरचरितम् नाटक है–

(A) भवभूति का

(B) भारवि का

(C) भास का

(D) उपर्युक्त में से किसी का नहीं

18. 'वेणीसंहारम्' नाटक है–

(A) भास का

(B) भवभूति का

(C) भारवि का

(D) भट्टनारायण का

19. विशाखदत्त की कृति है–

(A) कर्पूरमञ्जरी

(B) प्रसन्नराघवम्

(C) नागानन्दम्

(D) मुद्राराक्षसम्

20. कालिदास की रचना है–

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

(B) स्वप्नवासवदत्त

(C) वेणीसंहार

(D) उपर्युक्त सभी

Scanned with OKEN Scanner

21. उदयन नायक है–

(A) धीर प्रशान्त

(B) धीरोदान्त

(C) धीर ललित

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

22. स्वप्नवासवदत्तम् की नायिका है–

(A) बसन्तसेना

(B) वासवदत्ता

(C) प्रियंवदा

(D) अनसूया

23. वासवदत्ता के पिता हैं–

(A) प्रद्योत

(B) प्रभाकर

(C) यौगन्धरायण

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

24. 'चक्रारपङ्क्तिरिव गच्छति भाग्य–पङ्क्तिः' से युक्त ग्रन्थ है–

(A) अभिज्ञान

(B) उत्तरराम चरितम्

(C) मालतीमाधवम्

(D) स्वप्नवासवदत्तम्

25. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के प्रथम अंक का नाम है–

(A) आश्रम प्रवेश

(B) आश्रम निवेश

(C) मिलन

(D) विदा

Scanned with OKEN Scanner

26. 'अर्थो हि कन्या परकीय एव' से सम्बद्ध नाटककार है'–

(A) कालिदास

(B) भास

(C) भवभूति

(D) भट्टनारायण

27. 'ओदकान्तं स्निग्धो जनोऽनुगन्तव्यः' से सम्बद्ध हैं–

(A) भास

(B) अश्वघोष

(C) भारवि

(D) कालिदास

28. शकुन्तला की सखी है–

(A) तरला

(B) मुरला

(C) अनुसूया

(D) रमा

29. नाटकों में सबसे सुन्दर नाटक माना गया है–

(A) स्वप्नवासवदत्तम्

(B) मालविकाग्निमित्रम्

(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

(D) उपर्युक्त सभी

30. अभिज्ञानशाकुन्तलम् में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण अङ्क हैं–

(A) प्रथम

(B) द्वितीय

(C) तृतीय

(D) चतुर्थ

Scanned with OKEN Scanner

31. 'भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र' से युक्त नाटक–

(A) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

(B) प्रतिमानाटकम्

(C) स्वप्नवासवदत्तम्

(D) मुद्राराक्षसम्

32. अभिज्ञान शाकुन्तल का उपजीव्य काव्य है–

(A) रामायण

(B) विष्णु पुराण

(C) महाभारत

(D) उपर्युक्त सभी

33. 'गण्डस्योपरि पिटकः संवृत्तः' कथन है–

(A) दुष्यन्त का

(B) विदूषक का

(C) कण्व का

(D) अनसूया का

34. दुष्यन्त और शकुन्तला का विवाह हुआ था–

(A) पिशाच विवाह

(B) गन्धर्व विवाह

(C) दैव विवाह

(D) असुर विवाह

35. अभिज्ञान में नान्दी पाठ किया है–

(A) राजा ने

(B) सूत्रधार ने

(C) महर्षि कण्व ने

(D) नटी ने

Scanned with OKEN Scanner

36. अभिज्ञानशाकुन्तलम् में नान्दी पाठ है–

(A) अष्ट पदा

(B) द्वादश पदा

(C) पञ्च पदा

(D) उपर्युक्त से कोई नहीं

37. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के नान्दी में छन्द है–

(A) मन्द्राक्रान्ता

(B) शिरवरिणी

(C) सुग्धरा

(D) वसन्त तिलका

38. कालिदास ने कुल नाटक लिखे हैं–

(A) 2

(B) 3

(C) 4

(D) 1

39. दुष्यन्त है–

(A) धीरललित नायक

(B) धीर प्रशान्त नायक

(C) धीरोदान्त नायक

(D) धीरोद्धत नायक

40. शकुन्तला को शाप दिया था–

(A) कण्व ने

(B) दुर्वासा ने

(C) दुष्यन्त ने

(D) विदूषक ने

*****

Scanned with OKEN Scanner